विद्या -भवन ,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय
नीतू कुमारी वर्ग -तृतीय,विषय-सह- शैक्षणिक गतिविधि एन.सी.आरटी पर आधारित दिनांक - 16-04-2021
सुप्रभात बच्चअॅ,
दिए ,गए कहानी पढे तथा समझने का प्रयास करें|
. मोर की शिकायत
यह कहानी हमारी लिस्ट में सबसे ऊपर है। यहाँ एक मोर के बारे में एक अद्भुत कहानी बताई गई है जो बच्चअॅ को जरूर जानना चाहिए;

एक बार एक मोर था जो बहुत सुन्दर था, उसके पंख बेहद खूबसूरत थे। एक दिन खूब झम–झम बारिश हुई और मोर नाचने लगा। नाचते हुए वह अपनी खूबसूरती को निहार रहा था, पर अचानक उसका ध्यान उसकी आवाज पर गया, जो कि बेहद बेसुरा और कठोर था। इस बात का एहसास होते ही वह बेहद उदास हो गया और उसके आंखअॅ में आंसू आ गएं। तभी अचानक, उसे एक कोयल गाती हुए सुनाई दी।

कोयल की मधुर आवाज को सुनकर, मोर को उसकी कमी एक बार फिर एहसास हुआ। वह सोचने लगा कि भगवान ने उसे सुंदरता तो दी पर बेसुरा क्यअॅ बनाया। तभी एक देवी प्रकट हुई और उन्हअॅने मोर से पूछा “मोर, तुम क्यअॅ उदास हो?”

मोर ने देवी से अपनी कठोर आवाज के बारे में शिकायत की और उनसे पूछा, “कोयल की आवाज इतनी मीठी है पर मेरी क्यअॅ नहीं? इसलिए मैं दुखी हूँ।

अब मोर की बात सुनकर, देवी ने समझाया, “भगवान के द्वारा सभी का हिस्सा निर्धारित है, हर जीव अपने तरीके से खास होता है। भगवान ने उन्हें अलग–अलग बनाया है और वे एक निश्चित काम के लिए हैं। उन्हअॅने मोर को सुंदरता दी, शेर को ताकत और कोयल को मीठी आवाज! हमें भगवान के दिए इन उपहारअॅ का सम्मान करना चाहिए और जितना है उतने में ही खुश रहना चाहिए।”

देवी की बातअॅ को सुनकर मोर समझ गया कि दूसरअॅ से तुलना नहीं करनी चाहिए बल्कि खुद के हुनर की सराहना करनी चाहिए और उसे और निखारना चाहिए। मोर उस दिन समझा कि हर व्यक्ति किसी न किसी तरह से यूनिक होता है।

कहानी से सीख
खुद को स्वीकार करना ही खुशी का पहला कदम है। जो कुछ भी आपके पास नहीं है, उसके लिए दुखी होने के बजाय, आपके पास जो है, उसे स्वीकार करें।